रणजीत टाइम्स

इंदौर

बुधवार, 21 जनवरी, 2026

वर्ष 02 | अंक 21 कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

दिल्ली के धौला कुआं में जाम से मिलेगी मुक्ति

एनएचएआई बनाएगा 3 लेन की नई स्लिप रोड

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के धौला कुआं इलाके में रोजाना होने वाली लंबी जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए एनएचएआई ने बड़ा कदम उठाया है। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि एनएचएआई ने सुब्रतो पार्क पुलिस पोस्ट को अपग्रेड करने और वहां से जमीन लेकर तीन लेन की नई स्लिप रोड बनाने के लिए दिल्ली पुलिस को 18.4 करोड़ रुपये का प्रस्ताव दिया है।

नई स्लिप रोड से नारायणा की राह होगी आसान: यह नई तीन लेन वाली डेडिकेटेड स्लिप रोड एनएच-48 से नारायणा की ओर जाने वाले वाहनों के लिए बनेगी। इसके लिए पुलिस पोस्ट की करीब 785 वर्ग मीटर जमीन चाहिए, जिसके कारण पोस्ट के कुछ हिस्से को शिफ्ट करना पड़ेगा। एनएचएआई ने कहा है कि बदले में वे पुलिस पोस्ट का नया निर्माण करवाएंगे और 18.41 करोड़ रुपये देंगे। अब दिल्ली पुलिस की औपचारिक सहमति का इंतजार है।

पुलिस पोस्ट का रिडेवलपमेंट प्लान पहले से तैयार

बता दें कि पिछले साल नवंबर में सड़क परिवहन मंत्रालय के सचिव के साथ बैठक में दिल्ली पुलिस ने खुद घर मंत्रालय से फंड मांगने का प्रस्ताव दिया था। अब एनएचएआई का यह ऑफर उस दिशा में बड़ा सहारा बन सकता है।

धौला कुआं : दिल्ली-गुड़गांव और एयरपोर्ट का सबसे बड़ा बॉटलनेक

धौला कुआं में दिल्ली-गुड़गांव कॉरिडोर और इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट आने-जाने वाले वाहनों की वजह से हमेशा जाम की स्थिति बनी रहती है। साल 2018 में एनएचएआई ने परेड रोड जंक्शन पर फ्री लेफ्ट वाली स्लिप लेन बनाकर एयरपोर्ट जाने वाले ट्रैफिक को काफी राहत दी थी। अब यह नया प्रोजेक्ट और सुब्रतो पार्क के पास एनएच-48 को चौड़ा करने का प्लान मिलकर दिल्ली-गुड़गांव रूट को और स्मूद बना देगा।

गणतंत्र दिवस से पहले पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी

किराए के मकान से 250 किलो विस्फोटक सामग्री बरामद

नई दिल्ली, एजेंसी। यूपी के हापुड़ में पुलिस को गणतंत्र दिवस से पहले बड़ी कामयाबी मिली है। दरअसल, अपर पुलिस महानिदेशक के निर्देश पर चल रहे ऑपरेशन सत्यापन के तहत बाबूगढ़ थाना पुलिस ने एक मकान से 250 किलो विस्फोटक सामग्री बरामद की है। पुलिस टीम ने लाखों रुपये के निर्मित और अनिर्मित कैंडल (शादी में इस्तेमाल होने वाला पटाखा) समेत अन्य सामान बरामद किया है। पुलिस ने मौके से एक युवक को गिरफ्तार कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पकड़ा गया आरोपित गाजियाबाद का रहने वाला है। थाना प्रभारी निरीक्षक मुनीष प्रताप सिंह ने वह टीम के साथ बताया कि सोमवार रात ऑपरेशन सत्यापन के तहत नए किराएदारों की जांच करने के लिए कुचेसर चौपला स्थित गांव फतेहपुर पर पहुंचे। इसी बीच मुखबिर से सूचना मिली कि राहुल खटीक के मकान में अवैध रूप से पटाखों में उपयोग होने वाली कैंडल को बनाया जा रहा है। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो वहां पर अफरातफरी मच गई।

पुलिस ने मौके से गाजियाबाद थाना टीलामोड के गांव फरूखनगर कहने वाले नदीम को हिरासत में ले लिया। मामले की जांच की तो मौके पर मकान से ढाई कुंतल ड्राई कॉटन पाउडर (विस्फोटक सामग्री), लाखों रुपये कीमत के बने-अधबने कैंडल समेत अन्य सामान बरामद किया। नदीम को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। उन्होंने बताया कि यह ड्राई कॉटन पाउडर शादी में उपयोग होने वाली पटाखों के कैंडल बनाने में काम आता है। मौके पर इसे बनाने की कोई अनुमति प्राप्त नहीं हुई है। यह पाउडर कहां से लाया गया इसके बारे में जांच की जा रही है। आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

20 दिन पहले नदीम ने किराए पर लिया था मकान

थाना प्रभारी ने बताया कि जांच करने पर पता चला कि नदीम ने 20 दिन पूर्व राहुल खटीक का मकान किराए पर लिया था। राहुल से भी पूछताछ की जाएगी कि उसने किस आधार पर नदीम को मकान किराए पर दिया। मामले की विस्तृत जांच कराई जा रही है। गौरतलब है कि अपर पुलिस महानिदेशक भानू भास्कर के आदेश पर मेरठ जोन में ऑपरेशन सत्यापन चलाया जा रहा है।

17 साल पहले चोरी हुई हथिनी गुजरात में होने का दावा, ढूंढने जाएगी गाजियाबाद पुलिस

नई दिल्ली, एजेंसी। गाजियाबाद के असालतपुर से 17 साल पहले चोरी हुई एक हथिनी की तलाश और बरामदगी के लिए पुलिस की टीम गुजरात जाएगी। मामले की जांच कर रहे विवेचक ने उच्चाधिकारियों से इसके लिए अनुमति मांगी है। हथिनी चोरी का मुकदमा पुलिस ने 27 सितंबर 2025 को दर्ज किया था।

असालतपुर में रहने वाले गय्यूर अली ने साल 2000 में बिहार के सोनपुर हाथीसार के मेले से 2.50 लाख रुपये में हथिनी खरीदी थी। 1 जनवरी 2008 को हथनी चोरी हो गई। उन्होंने इसके बाद पुलिस से मदद मांगी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने खुद तलाश शुरू की और जम्मू-कश्मीर में हथिनी को ढूंढ निकाला। जिसके पास हथिनी थी, उसने गय्यूर को धमकी देकर भगा दिया। पीड़ित ने 6 अक्टूबर 2022 को कोर्ट में अपील कर गुहार लगाई। हालांकि, निचली अदालत ने अपील को खारिज कर दिया।

पीड़ित की पैरवी कर रहे वकील दिलशाद चौधरी ने सत्र न्यायालय में याचिका लगाई। न्यायालय के निर्देश पर निचली अदालत ने मुकदमा दर्ज करने के आदेश दिए। 27 सितंबर 2025 को जम्मू-कश्मीर के नरवाल मंडी निवासी लक्ष्मण और लक्की के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था।

देखभाल करने वाले ही ले गए

पीड़ित गय्यूर की ओर से दर्ज कराई गई रिपोर्ट में कहा गया है कि उन्होंने नरवाल मंडी निवासी लक्ष्मण और लक्की को हथिनी की देखभाल के लिए नौकरी पर रखा था। कुछ समय तक उन्होंने हथिनी की देखभाल की, लेकिन फिर एक दिन दोनों हथनी को लेकर कहीं चले गए।

निर्देश पर टीम को रवाना किया जाएगा

एसीपी शालीमार गार्डन अतुल कुमार सिंह ने बताया कि हथिनी के गुजरात स्थित एक बड़े पार्क में होने की बात सामने आई है। पीड़ित ने भी इस जानकारी को पुष्ट किया है। विवेचक ने अब तक की जांच रिपोर्ट अधिकारियों को भेजी है। उच्चाधिकारियों के निर्देश पर टीम को गुजरात रवाना किया जाएगा।

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की कहानी पर वर्तमान एक दिवसीय भारतीय क्रिकेट टीम जैसी ही रही है

विजयवर्गीय के 50 वर्ष के कार्यकाल में पहली बार उनके विधानसभा क्षेत्र भागीरथपुरा जैसा कांड हुआ और कई लोगों ने जान गवाई, इसी तरह 38 साल बाद न्यूजीलैंड ने भारत की सरजमीं पर इंदौर के होल्कर स्टेडियम में खेले गए तीसरे और निर्णायक वनडे मुकाबले में भारत को 41 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज 2-1 से पहली बार अपने नाम कर भारतीय टीम के सबसे सशख्त होने के पर प्रश्न चिन्ह लगा दिया। इंदौर में न्यूजीलैण्ड और भारत किक्रेट मैच में जिस प्रकार विराट कोहली ने शतक जमाकर अपने टीम को पराजय से बचाने के भरसक प्रयास किया, लेकिन शीर्ष क्रम के निराशा जनक प्रदर्शन से उनकी सेन्चुरी पानी में मिल गई। कुछ इस प्रकार विजयवर्गीय के साथ हुआ। उनके 50 वर्ष के पार्षद, विधायक महापौर जैसे बेदाग कैरियर में शीर्ष नेताओं और अधिकारियों की लापरवाही ने उन पर भागीरथपुरा जल कांड का यह दाग लगा दिया। शीर्ष क्रम और अधिकारियों की लापरवाही के बावजूद आज भी कैलाश भागीरथपुरा की पीच पर अपना कर्तव्य निभा रहे हैं। जैसे टीम की विजय का श्रेय व पराजय का ठिकरा कप्तान और फोड़ा जाता है, वैसे ही भागीरथपुरा कांड में भी प्रदेश टीम के कप्तान पर अंगुली उठना स्वाभाविक हैं, ऐसे में कैलाश शतक बनाएं या शून्य पर आउट हो जाए इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है, क्योंकि उनका पुराना रिकार्ड विराट के समान विश्वस्तरीय (बेदाग) है।

लेकिन कप्तान और कोच की लापरवाही के बाद कोई खिलाड़ी अच्छा परफारमेंस दें तो उसकी आलोचना नहीं उसका सम्मान किया जाना चाहिए। शायद इसलिए विरोधियों के विरोध के बावजूद कैलाश के विराट होने की कहानी समझकर दिल्ली में बैठा नेतृत्व टीम में उलटफेर करने के पक्ष में नहीं है।

विद्यार्थी को दी गई डिजिटल तकनीकी जानकारी

खोखसर गांव के आसपास के विद्यालय पीएम श्री खोखसर,कंकोलगढ़ धांधुपुरा खोखसर पश्चिम खोखसर पूर्व खारड़ा भारतसिंह सरकारी विद्यालय में Rkcl जिला प्रयोजन अधिकारी रमेश गेवा के द्वारा डिजिटल तकनीकी से संबंधित जानकारी दी गई।

स्पीच प्रधानाचार्य भूराराम चौधरी व्याख्याता कुंभाराम लोहिया सतीश कुमार जियाराम देवी लाल डऊकिया शारीरिक शिक्षक मोटाराम सियाग कनिष्ठ सहायक कानाराम व शैलेंद्र उपस्थित रहे

जो कार्यक्रम RS-CIT हरिओम कंप्यूटर सेंटर खोखसर के सहयोग सहयोग से करवाया गया हरिओम कंप्यूटर के संचालक रघुवीर बैरड़ और रामलाल व भोमाराम कड़वासरा उपस्थित रहे विद्यार्थियों को ज्यादा से ज्यादा कंप्यूटर कोर्स करने की जानकारी दी गई तथा आज के युग में कंप्यूटर कोर्स कितना महत्वपूर्ण है इसके बारे में बताया गया सभी विद्यालय में 10वीं और 12वीं के बाद सभी बच्चों को कंप्यूटर कोर्स करने के लिए आग्रह किया।

जिला स्तरीय खेलो एमपी यूथ गेम्स का हुआ शुभारंभ

शहडोल प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल नेतृत्व में खेल प्रतिभाओ को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने व उनकी प्रतिभा को निखारने के उददेश्य से जिले में खेलो एमपी यूथ गेम्स का आयोजन किया जा रहा है। एमपी यूथ गेम्स में खिलाड़ी उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाते हुए अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहें है। संभागीय मुख्यालय शहडोल के महात्मा गांधी स्टेडियम में जिला स्तरीय खेलो एमपी यूथ प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। शुभारंभ के अवसर पर प्रभारी जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक दीवान ने खेलो एमपी यूथ प्रतियोगिता के खिलाड़ियो से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया। जिला स्तरीय खेलो एमपी यूथ प्रतियोगिता के तहत एथलेटिक्स, खो-खो, रस्साकसी, कबड्डी, पिट्ठु, वालीबॉल, बास्केटबॉल, टेबिल टेनिस, बॉक्सिंग,शतरंज जैसे अन्य प्रतियेगिता में जिलेभर के लगभग 912 खिलाड़ियो ने अपनी-अपनी विधाओ का प्रदर्शन किया। जिसमें सोहागपुर के 400, ब्यौहारी के 147, गोहपारू के 55, जयसिंहनगर के 130 एवं बुढार ब्लाक के 180 खिलाडी शामिल रहें। संभाग स्तरीय खेलो एमपी यूथ गेम्स संभाग प्रतियोगिता 21 जनवरी को प्रातः 10 बजे से आयोजित की जाएगी।इस अवसर पर अल्ट्राटेक कोल माइंस के महाप्रबंधक सैयद कादरी, समन्वयक खेल एवं युवा कल्याण विभाग श्री अजय सोंधिया सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी एवं खिलाड़ी उपस्थित रहें।

वैध वारिस सचिन पाठक को पुलिस अधीक्षक ने सौपा अनुकंपा नियुक्ति पत्र

प्रदीप सिंह बघेल

शहडोल- पुलिस अधीक्षक श्री रामजी श्रीवास्तव ने कोतवाली शहडोल में पदस्थ रहे आरक्षक स्व. महेश प्रसाद पाठक की 7 दिसम्बर 2025 को बस स्टैण्ड शहडोल में डियूटी के दौरान हुई असामयिक मृत्यु के उपरांत उनके वैध वारिस पुत्र श्री सचिन पाठक, निवासी ग्राम सथिनी, तहसील सिरमौर, जिला रीवा को आरक्षक पद हेतु अनुकंपा नियुक्ति पत्र सौंपा। पुलिस अधीक्षक श्री रामजी श्रीवास्तव ने श्री सचिन पाठक को समझाइश देते हुए कहा कि अनुकंपा नियुक्ति परिवार के जीविकोपार्जन हेतु दी जाती है। उन्होंने कहा कि माता की आजीवन सेवा करते रहना चाहिए, क्योंकि वे अपने बच्चों के सहारे ही जीवन यापन करती हैं। साथ ही उन्होंने किसी के बहकावे में न आने एवं किसी भी प्रकार के गलत कार्य नहीं करें। अनुकंपा नियुक्ति के माध्यम से प्राप्त दायित्वों का निर्वहन पूरी ईमानदारी, निष्ठा एवं कर्तव्यनिष्ठा के साथ करें।इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक दीवान एवं थाना प्रभारी श्री राघवेंद्र तिवारी उपस्थित रहे।

रणजीत टाइम्स

ज़मीन और सोना: आने वाले भारत की असली पूंजी

संपादकीय (विशेष)

भारत एक ऐसे दौर में प्रवेश कर रहा है जहाँ विकास की गति तेज़ है, लेकिन अनिश्चितताएँ उससे कहीं अधिक गहरी होती जा रही हैं। वैश्विक युद्ध, आर्थिक अस्थिरता, जलवायु परिवर्तन और मुद्रा पर घटता भरोसा आज हर नागरिक को यह सोचने पर मजबूर करता है कि भविष्य को सुरक्षित कैसे किया जाए। इस प्रश्न का उत्तर कोई नया नहीं है। भारत की सभ्यता सदियों से जिन दो संपत्तियों पर विश्वास करती आई है, वे हैं — ज़मीन और सोना। ज़मीनः सीमित संसाधन, असीम महत्व ज़मीन केवल संपत्ति नहीं, बल्कि भविष्य की नींव है। आबादी निरंतर बढ़ रही है, शहर फैल रहे हैं, लेकिन ज़मीन का विस्तार संभव नहीं है। यही सीमितता इसे सबसे मूल्यवान बनाती है। आने वाले 10 से 20 वर्षों में शहरीकरण और तेज़ होगा, खेती योग्य भूमि घटेगी और पानी व हरियाली से जुड़ी ज़मीन की मांग कई गुना बढ़ेगी। फार्म लैंड, सेकंड होम और प्राकृतिक वातावरण से जुड़ी संपत्तियाँ आने वाले समय की सबसे सुरक्षित पूंजी बनेंगी। आज जो ज़मीन साधारण लगती है, वही कल की सबसे महंगी संपत्ति सिद्ध होगी। जिसके पास ज़मीन है, उसके पास विकल्प हैं, और विकल्प ही किसी समाज की वास्तविक शक्ति होते हैं।

सोनाः संकट काल का भरोसेमंद आधार

सोना केवल आभूषण नहीं, बल्कि विश्वास का प्रतीक है। इतिहास गवाह है कि जब भी विश्व आर्थिक संकट, युद्ध या मुद्रा अवमूल्यन के दौर से गुज़रा है, सोना स्थिर और मजबूत निवेश के रूप में सामने आया है। डिजिटल लेन-देन और नई मुद्राओं के इस युग में भी सेंट्रल बैंक सोने का भंडार बढ़ा रहे हैं। महंगाई के बढ़ते दबाव में आम नागरिक भी सोने को सुरक्षित आश्रय के रूप में देख रहा है। जब काग़ज़ी मुद्रा पर भरोसा डगमगाता है, तब सोना स्थिरता का प्रतीक बनकर उभरता है।

आने वाले समय की प्रमुख चुनौतियाँ

भविष्य कई गंभीर चुनौतियाँ लेकर आने वाला है। पानी की कमी सबसे बड़ी समस्या बनेगी, जिससे जल-स्रोतों के पास स्थित ज़मीन का महत्व असाधारण रूप से बढ़ेगा। खाद्य सुरक्षा भी एक बड़ी चिंता बनेगी और खेती योग्य भूमि रणनीतिक संपत्ति का रूप ले लेगी। महंगाई के कारण काग़ज़ी मुद्रा की क्रय शक्ति घटेगी, जबकि वास्तविक संपत्तियाँ अधिक मजबूत होंगी। इसके साथ ही कानूनी जोखिम भी बढ़ेंगे, जहाँ अवैध दस्तावेज़ और अस्पष्ट स्वामित्व निवेशकों के लिए बड़ा खतरा बन सकते हैं। पर्यावरणीय संकट के चलते स्वच्छ और हरित क्षेत्रों का महत्व कई गुना बढ़ जाएगा। समझदारी का निवेश समझदार निवेश वही है जिसमें संतुलन हो। ज़मीन दीर्घकालीन सुरक्षा और विकास का आधार प्रदान करती है, जबकि सोना संकट के समय स्थिरता देता है। यह निवेश केवल लाभ के लिए नहीं, बल्कि पीढ़ियों की सुरक्षा के लिए होना चाहिए। जो व्यक्ति केवल वर्तमान की आय तक सीमित रहता है, वह भविष्य की तैयारी नहीं कर पाता। जो ज़मीन और सोने के महत्व को समझता है, वही आने वाले समय का निर्माण करता है।आने वाले दस से बीस वर्षों का भारत उन्हीं लोगों का होगा, जिनके पास ज़मीन होगी और जिनके पास सोने जैसा धैर्य होगा।

मँगलिया में जल संकटः गंदे पानी की सप्लाई से भड़के ग्रामीण, सरपंच विजय हिरवे ने मौके पर पहुँचकर दिया जल्द निराकरण का आश्वासन

सह संपादक - दीपक वाड़ेकर

मँगलिया (सांवेर): इंदौर जिले की सांवेर तहसील के ग्राम मँगलिया (महादेव सहारा) में पिछले लंबे समय से जारी जल संकट और दूषित पानी की समस्या को लेकर आज ग्रामीणों का धैर्य जवाब दे गया। बड़ी संख्या में ग्रामवासियों ने पंचायत कार्यालय पहुँचकर विरोध प्रदर्शन किया और अपनी समस्याओं को लेकर एक शिकायती पत्र सौंपा।

हफ्ते में एक दिन सप्लाई, वो भी पीला पानी

ग्रामीणों का आरोप है कि 'नल जल योजना' के अंतर्गत उन्हें सप्ताह में केवल एक दिन पानी मिल रहा है। विडंबना यह है कि वह पानी भी इतना गंदा और पीला है कि उसे पीने के उपयोग में लाना स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने जैसा है। महिलाओं ने मौके पर गंदा पानी दिखाते हुए बताया कि इसके कारण दैनिक दिनचर्या पूरी तरह ठप हो गई है।

सरपंच विजय हिरवे ने संभाला मोर्चा

हंगामे और विरोध की सूचना मिलते ही सरपंच विजय हिरवे तत्काल मौके पर पहुँचे। उन्होंने ग्रामीणों की

शिकायतों को ध्यानपूर्वक सुना और स्थिति की गंभीरता को देखते हुए उन्हें आश्वासन दिया। सरपंच ने कहा कि पानी की समस्या का समाधान उनकी प्राथमिकता है और वे जल्द ही बोरिंग के माध्यम से नियमित सप्लाई सुनिश्चित करने की दिशा में ठोस कदम उठाएंगे। "ग्रामीणों को हो रही परेशानी जायज है। हम तकनीकी खामियों को दूर कर रहे हैं और जल्द ही बोरिंग से नया कनेक्शन व प्रतिदिन पानी की सप्लाई सुनिश्चित करेंगे ताकि लोगों को साफ पानी मिल सके।"- विजय हिरवे, सरपंच

ग्रामीणों ने रखी अपनी शर्तें

शिकायती पत्र के माध्यम से महादेव सहारा के निवासियों ने स्पष्ट किया है कि यदि पंचायत उन्हें रोजाना कम से कम एक घंटा साफ पानी उपलब्ध कराती है, तो समस्त ग्रामवासी पानी का निर्धारित शुल्क (टैक्स) पंचायत को देने के लिए सहर्ष तैयार हैं। सरपंच के सकारात्मक आश्वासन के बाद फिलहाल ग्रामीण शांत हैं, लेकिन उनका कहना है कि यदि जल्द ही जमीनी स्तर पर सुधार नहीं दिखा, तो वे प्रशासन के उच्च अधिकारियों तक अपनी बात ले जाएंगे। अब गेंद पंचायत प्रशासन के पाले में है कि वे कितनी जल्दी इस 'प्यास' को बुझा पाते हैं।

इंदौर जिले में भू-राजस्व व डायवर्सन वसूली के लिए विशेष अभियान, बकायादारों पर कुर्की की कार्रवाई होगी

इंदौर जिले में भू-राजस्व एवं डायवर्सन शुल्क की वसूली के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। अभियान के तहत भू-राजस्व और डायवर्सन शुल्क जमा नहीं करने वाले बकायादारों के विरुद्ध कुर्की की कार्रवाई की जाएगी। इस संबंध में आज कलेक्टर कार्यालय में संबंधित अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में बताया गया कि सभी बकायादारों को नोटिस जारी कर दिए गए हैं।

नोटिस की अवधि समाप्त होने के बाद भी जो बकायादार राशि जमा नहीं करेंगे, उनके विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। एसडीएम श्रीमती कल्याणी पांडे ने बताया कि कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देश पर समस्त तहसीलों के तहसीलदार, नायब तहसीलदार एवं राजस्व निरीक्षकों की बैठक लेकर भू-राजस्व वसूली की समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देश पर कॉलोनी सेल, नगर निगम, इंदौर विकास प्राधिकरण (IDA) के फ्री-होल्ड पट्टे, खनिज विभाग, स्वास्थ्य विभाग, विद्युत विभाग सहित अन्य विभागों का समेकित डेटा संधारित कर समस्त तहसीलों में वितरित किया गया है, जिससे बड़े बकायादारों को चिन्हांकित कर प्रभावी कार्यवाही की जा सके। साथ ही WEBGIS पर उपलब्ध संभावित परिवर्तित सर्वे नंबरों के सत्यापन के लिए भी निर्देश दिए गए हैं। समस्त तहसीलदारों द्वारा बकायादारों को नोटिस जारी कर दिए गए हैं। कलेक्टर श्री वर्मा ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि नोटिस के बाद भी यदि बकाया राशि जमा नहीं की जाती है, तो बकायादारों के विरुद्ध नियमानुसार कुर्की सहित कठोर कार्रवाई की जाएगी।

प्रभारी अधिकारी भू अभिलेख श्रीमती कल्याणी पांडे ने बताया कि डायवर्सन की मांग एवं वसूली की समीक्षा हेतु जिले के समस्त तहसीलदार, नायब तहसीलदार एवं राजस्व निरीक्षकों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले की राजस्व मांग की स्थिति की समीक्षा की गई तथा वसूली में अपेक्षित सुधार लाने के निर्देश प्रदान दिये गए।बैठक के दौरान उपग्रह छवि के माध्यम से चिन्हित ऐसे समस्त प्रकरणों, जिनमें भूमि का उपयोग परिवर्तित होने के उपरांत भी डायवर्सन स्वीकृत नहीं कराया गया है, उनके शीघ्र प्रकरण तैयार कर नियमानुसार कार्यवाही किए जाने के निर्देश दिए गए। साथ ही यह भी निर्देशित किया गया कि ऐसे सभी डायवर्टेड प्रकरणों में मांग की सूचना पत्र जारी कर समय-सीमा में वसूली सुनिश्चित की जाए। प्रत्येक तहसील हेतु साप्ताहिक डायवर्सन वसूली का लक्ष्य निर्धारित किया गया तथा निर्देश दिए गए कि निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप नियमित समीक्षा कर प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाए।

टीएनपी न्यूज़ जिला ब्यूरो महेन्द्र मालवीय ओर राजू राठौड़ सहित प्रदेश भर के 70 पत्रकार एवं 20 जंसम्पर्क विभाग के अधिकारी /कर्मचारी हुए संम्मानित

महेन्द्र मालवीय/ रणजीत टाईम्स

भोपाल में मंगलवार 20 जनवरी को खोजी पत्रकार यूनियन एवं सर्च स्टोरी मीडिया ग्रुप के संयुक्त तत्वावधान में, सर्च स्टोरी, अंतिम खबर एवं टीएनपी न्यूज़ चैनल के सहयोग से एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन भोपाल में किया गया। इस समारोह में बुरहानपुर जिला ब्यूरो महेन्द्र मालवीय और राजू राठौड़ को भी प्रशस्ति पत्र ओर मां नर्मदा की प्रतिमा देकर सम्मानित किया गया इस समारोह का उद्देश्य पत्रकारिता और जनसंपर्क के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तियों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन करना रहा। इस अवसर पर टीएनपी न्यूज़ चैनल से जुड़े महेन्द्र जिला ब्यूरो ओर राजू राठौड़ बुरहानपुर सहित प्रदेश भर के लगभग 70 सक्रिय संवाददाताओं को उनके निष्ठावान, निर्भीक एवं जनहितकारी पत्रकारिता कार्य के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में यह संदेश स्पष्ट रूप से दिया गया कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में पत्रकारों की भूमिका आज भी उतनी ही महत्वपूर्ण है, जितनी पहले थी, और उनकी जिम्मेदारी समाज के प्रति और भी बढ़ गई है। समारोह के दौरान जनसंपर्क विभाग में

कार्यरत 12 अधिकारियों एवं 4 कर्मचारियों को भी उनके विभागीय दायित्वों के कुशल निर्वहन, सूचना के पारदर्शी प्रसार एवं मीडिया के साथ समन्वयपूर्ण कार्य के लिए सम्मान प्रदान किया गया। इसके साथ ही 2 सेवानिवृत्त अधिकारियों सैयद ताहिर अली ,सुश्री उमा भार्गव एवं एक सेवानिवृत्त फोटोग्राफर आगा मियां को उनके लंबे, समर्पित एवं अनुकरणीय सेवा कार्यों के लिए विशेष सम्मान से नवाज़ा गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बाबूलाल बंजारा, अध्यक्ष घुमंतू, अर्धघुमंतू एवं विमुक्त अभिकरण (कैबिनेट दर्जा) ने अपने संबोधन में कहा कि पत्रकार समाज की आवाज़ होते हैं और उनकी निष्पक्षता व निर्भीकता ही लोकतंत्र को मजबूत बनाती है। उन्होंने पत्रकारों से सामाजिक सरोकारों, वंचित वर्गों और आम जनता के मुद्दों को प्रमुखता से उठाने का आह्वान किया। वरिष्ठ पत्रकार राधा वल्लभ शारदा ने अपने विचार रखते हुए कहा कि पत्रकारिता केवल पेशा नहीं बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व है। उन्होंने युवा पत्रकारों को तथ्यपरक, संतुलित एवं नैतिक पत्रकारिता अपनाने की सलाह दी और सम्मानित किए गए सभी पत्रकारों एवं अधिकारियों को बधाई दी। समारोह में सर्च स्टोरी के समूह संपादक एवं सर्च स्टोरी मीडिया ग्रुप के सीएमडी राजेन्द्र सिंह जादौन भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि सर्च स्टोरी मीडिया ग्रुप का उद्देश्य सदैव जनहित, जवाबदेही और सच्चाई को केंद्र में रखकर पत्रकारिता करना रहा है। उन्होंने सभी सम्मानित प्रतिभागियों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन मीडिया जगत को नई ऊर्जा और दिशा प्रदान करते हैं। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ, जिसमें पत्रकारों, अधिकारियों एवं अतिथियों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही। अंत में सभी सम्मानित जनों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दी गईं।

करेरा में अवैध रेत माफियाओं पर बड़ी कार्रवाई, पनडुब्बी मशीन जलाकर नष्ट एक एल एन टी मशीन दो डम्फर जप्त

दीपक परमार

करेरा (शिवपुरी)। ग्राम चितारी, थाना सीहोर अंतर्गत सिंध नदी पर अवैध रेत उत्खनन के खिलाफ प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। एसडीएम करेरा श्री अनुराग निंगवाल के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई के दौरान नदी में अवैध रेत उत्खनन करते हुए एक पनडुब्बी मशीन पकड़ी गई, जिसे मौके पर आग लगाकर नष्ट कर दिया गया।एक एल एन टी मशीन एवं दो डम्फर जप्त किये गए जिन्हे सीहोर थाना को सुप्रद कर कार्यबाही के लिए भेजा गया प्रशासन को लंबे समय से सूचना मिल रही थी कि सिंध नदी क्षेत्र में रेत माफिया लगातार अवैध उत्खनन कर रहे हैं। इसी के मद्देनज़र एसडीएम निंगवाल ने राजस्व अमले माइनिंग एवं पुलिस बल के साथ संयुक्त कार्रवाई की। टीम के पहुंचते ही रेत माफियाओं में हड़कंप मच गया और कई लोग मौके से फरार हो गए।

निरीक्षण के दौरान यह स्पष्ट पाया गया कि बिना वैधानिक अनुमति के नदी से रेत निकाली जा रही थी, जिससे न केवल पर्यावरण को नुकसान हो रहा था, बल्कि शासन को राजस्व की भी हानि हो रही थी। नियमों के तहत अवैध गतिविधि में प्रयुक्त पनडुब्बी मशीन को जब्त कर नष्ट करने की कार्रवाई की गई।एवं एल एन टी मशीन एवं दो डम्फर को सीहोर थाना को सुप्रद कर कार्यबाही के लिए भेजा गया एसडीएम अनुराग निंगवाल ने स्पष्ट संदेश देते हुए कहा कि अवैध रेत उत्खनन किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे मामलों में दोषियों के खिलाफ मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता एवं खनिज अधिनियम के तहत कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी। इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र के रेत माफियाओं में हड़कंप है और प्रशासन की सख्ती से अवैध कारोबारियों में डर का माहौल बना हुआ है। स्थानीय ग्रामीणों ने भी प्रशासन की इस कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि इससे नदी और पर्यावरण की रक्षा होगी।

अबोध आनंद को प्राप्त करना ही सहजयोग है

अबोधिता या मासूमियत एक ऐसा भाव या अवस्था है जो व्यक्ति को देवतुल्य बना देती है। अबोधिता को यदि समझना है तो हमें उस बचपन की ओर देखना चाहिए जिसका परिचय दुनिया के मायावी संसार से नहीं हुआ है। सहजयोग में श्री गणेश इस अबोधिता के प्रणेता होते हैं वे ही इसकी रक्षा करते हैं। इसी अबोधिता के कारण ही सहजयोगी चिर आनंद में रहते हैं। जो बालसुलभ मस्ती को नहीं पा सकता उसकी ईश्वर से एकाकारिता नहीं हो सकती। वास्तव में आनंद ही सहजयोग है। सहजयोग संस्थापिका आदिशक्ति श्री माताजी ने इसी आनंद की व्याख्या इस प्रकार की है कि, "मासूमियत वह तरीका है जिससे आप वास्तव में दूसरों को मज़ा देते हैं, इसका मज़ेदार हिस्सा बनते हैं। मज़ा तो मासूमियत से ही पैदा होता है. और मासूमियत ही एकमात्र तरीका है जिससे आप वास्तव में आनंद भी प्राप्त कर सकते हैं। वह आनन्द और कुछ नहीं बल्कि खिलना है। यह किसी को चिढ़ाता नहीं है, किसी को चोट नहीं पहुंचाता है, किसी को परेशान नहीं करता है, लेकिन बस खिलता है, पूरी बात, सुगंध में। यह परमात्मा की तरकीब है। इसमें उससे भी अधिक कुछ ऊंचा है, कि यदि आप निर्दोष (अबोध) हैं, तो आप वास्तव में आनंद का अनुभव कर सकते हैं। तो, एक निर्दोष व्यक्ति ही किसी ऐसी चीज का आनंद महसूस कर सकता है जिसे एक बहुत ही गंभीर और एक बहुत ही तर्कसंगत व्यक्ति कभी नहीं देख सकता है। एक निर्दोष व्यक्ति किसी बात पर जोर से हंस सकता है, दूसरे लोगों के लिए यह कुछ मजाकिया नहीं भी हो सकता है। तो, आनंद -सृजन कोई संदेहास्पद चीज़ नहीं है, यह एक बहुत ही सीधा, सरल, एक सहज खिलना है।

श्री माताजी निर्मला देवी, (22 अगस्त 1982) जीवन के इसी आनंद को प्राप्त करना सहजयोग का उद्देश्य है। आनंद की यह अवस्था आपको वर्तमान में स्थापित कर भयमुक्त जीवन प्रदान करती है। सहजयोग ध्यान के इस निरानंद को प्राप्त करने हेतु नज़दीकी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 अथवा यूट्यूब चैनल लर्निंग सहजयोगा से प्राप्त कर सकते हैं।

इंटरपोल से लेकर बैंकॉक पुलिस तक थी पीछे

एमपी पुलिस ने चेन्नई में दबोचा, अब थाईलैंड जेल जाएगा मणिवन्नन

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश स्पेशल टाइगर स्ट्राइक फोर्स द्वारा पकड़े गए एक भगोड़े अपराधी को थाईलैंड को सौंपा जाएगा। दिल्ली की एक अदालत ने उसे वहां एक आपराधिक मामले में मुकदमे का सामना करने के लिए सौंपने की सिफारिश की है। यह पर्यावरण अपराध से जुड़ा पहला मामला है जहां आरोपी को सौंपा जा रहा है।

पटियाला हाउस कोर्ट में हुई सुनवाई- पटियाला हाउस कोर्ट के अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने 6 जनवरी, 2026 के अपने आदेश में मुरूगेसन मणिवन्नन के प्रत्यर्पण के अनुरोध को स्वीकार कर लिया। अदालत ने पाया कि उसके खिलाफ प्रत्यर्पण के लिए एक प्रथम दृष्टया मामला बनता है। अदालत ने यह भी नोट किया कि एक अलग प्रत्यर्पण जांच रिपोर्ट तैयार की गई थी और रिकॉर्ड में मौजूद सामग्री के आधार पर, भारत सरकार को मणिवन्नन को थाईलैंड में आपराधिक मामला संख्या 345/2555 में मुकदमे का सामना करने के लिए प्रत्यर्पित करने की सिफारिश की।

फिलहाल तिहाड़ जेल में रहेगा भगोड़ा- जब तक प्रत्यर्पण की औपचारिकताएं पूरी नहीं हो जातीं, तब तक अदालत ने निर्देश दिया कि यह भगोड़ा तिहाड़ जेल परिसर में न्यायिक हिरासत में रहेगा। जेल अधीक्षक को निर्देश दिया गया कि प्रत्यर्पण होने तक हर 14 दिन में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उसे संबंधित ड्यूटी मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया जाए। अदालत ने यह भी आदेश दिया कि प्रत्यर्पण जांच रिपोर्ट की एक प्रति उप सचिव (प्रत्यर्पण), विदेश मंत्रालय के माध्यम से भारत सरकार को भेजी जाए और एक और प्रति भगोड़े अपराधी को मुफ्त में दी जाए।

2018 में चेन्नई से पकड़ा था मणिवन्नन- इन निर्देशों के साथ, अदालत ने मणिवन्नन के खिलाफ प्रत्यर्पण जांच कार्यवाही का निपटारा कर दिया और आदेश दिया कि अनुपालन के बाद मामले की फाइल रिकॉर्ड रूम में भेज दी जाए। यह आदेश एसीजेएम प्रणव जोशी ने पारित किया। मुरूगेसन मणिवन्नन को एमपीएसटीएसएफ ने 31 जनवरी, 2018 को चेन्नई से पकड़ा था। उस पर मोरैना जिले से लुप्तप्राय लाल-ताज वाले छतों वाले कछुओं की तस्करी कर अंतरराष्ट्रीय बाजार में बेचने का आरोप था। उसकी जमानत याचिका कई अदालतों ने खारिज कर दी थी।

पर्यावरण अपराध का ऐसा पहला मामला

अधिकारियों ने बताया कि यह पर्यावरण अपराध का पहला मामला है जिसमें आरोपी को प्रत्यर्पित किया जा रहा है। थाईलैंड सरकार ने जनवरी 2021 में मुरूगेसन के प्रत्यर्पण की मांग की थी। मुरूगेसन की जमानत याचिका सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दी थी। सुप्रीम कोर्ट की एक सुनवाई के दौरान, एमपी स्पेशल टास्क फोर्स-वाइल्डलाइफ से यह पुष्टि करने के लिए कहा गया था कि क्या मुरूगेसन को थाई पुलिस भी तलाश रही थी। एसटीएफ ने थाईलैंड से एक पत्र पेश किया, जिसमें कहा गया था कि मुरूगेसन के खिलाफ वहां मामला खुला है और उन्होंने प्रत्यर्पण की प्रक्रिया शुरू की है। थाईलैंड हवाई अड्डा पुलिस ने पहले मुरूगेसन के खिलाफ एक अंतरराष्ट्रीय गिरफ्तारी वारंट जारी किया था।

मनी लॉन्ड्रिंग का भी मामला

एमपीएसटीएसएफ ने मुरूगेसन और तीन अन्य संदिग्धों, जिनमें आगरा से गिरफ्तार अजय सिंह और कोलकाता के मोहम्मद इरफान और समीम अंसारी के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) मुख्यालय, मुंबई से भी संपर्क किया था। जुलाई 2020 में इंटरपोल ने अवैध कछुआ तस्करी पर एमपीएसटीएसएफ और थाईलैंड व ढाका के अधिकारियों के साथ एक समन्वय बैठक आयोजित की थी।

सख्त पहरे में होती भक्तों की एंट्री, अब अश्लील वीडियो को लेकर चर्चा

आनंदपुर धाम के अंदर की दुनिया ही है अलग

अशोकनगर (नप्र)। आनंदपुर ट्रस्ट एक बार फिर से सुर्खियों में है। ट्रस्ट अशोकनगर जिले के ईसागढ़ क्षेत्र में स्थित है। कांग्रेस ने कथित रूप से यहां को लेकर कुछ अश्लील वीडियो जारी किए हैं। साथ ही कई गंभीर आरोप लगाए हैं। वहीं, इन आरोपों पर आनंदपुर धाम ने चुप्पी साध ली है। यह स्थान परमहंस अद्वैतानंद जी महाराज की समाधि स्थल के लिए प्रसिद्ध है। साथ ही अद्वैत मठ का यह मुख्य आश्रम है।

आनंदपुर धाम का इतिहास- यह अद्वैत मत को मानने वालों लोगों का विश्व का एकमात्र मुख्य ट्रस्ट है, जिसकी स्थापना 1939 में की गई। धीरे-धीरे इसका विकास किया गया। इस ट्रस्ट की जिले में हजारों एकड़ में फैली कृषि भूमि है। साथ ही लगभग 1400 बीघा में बने आश्रम के आस -पास कई किलोमीटर लंबी बाउंड्री के अंदर एक अनोखा शहर बसता है। यहां एक अलग नियम और आदेश लागू किया जाता है। इस आश्रम को मानने वाले अनुयायियों की गुरु भक्ति का अनोखा स्वरूप भी यहां देखने को मिलता है।

बाउंड्री के अंदर बसा वर्ल्ड क्लास शहर- जानकारी के मुताबिक आनंदपुर ट्रस्ट को लेकर अभी तक कई चर्चाएं और बातें ही आमजन में होती रही है। यह ट्रस्ट बेहद रहस्यमयी और आमजन की पहुंच से काफी दूर है। साथ ही गुप्त रहा है। कैंपस के अंदर बड़ी-बड़ी इमारतें, वर्ल्ड क्लास सुविधा से लैश शहर है। अंदर में हेलीपैड, बस स्टैंड, बड़े-बड़े पार्क, चमचमाती सड़कें, वाहन बनाने का कारखाना, बड़ी-बड़ी आधुनिक मशीनें हैं। साथ ही फायर ब्रिगेड भी इनके अपने हैं।

धाम पर लग चुके हैं कई आरोप- गौरतलब है कि आनंदपुर ट्रस्ट को लेकर पहले भी कई सारे विवाद सामने आ चुके हैं, जिसमें सर्वाधिक विवाद जमीन से संबंधित रहे। इसे लेकर वर्तमान कलेक्टर आदित्य सिंह शिकायत की गई है। वहीं, सोशल मीडिया पर प्रसारित किए जा रहे वीडियो पर आनंदपुर धाम की कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

खुद का चलता है कानून

वहीं, आनंदपुर धाम में खुद के नियम-कानून चलते हैं। अंदर में किसी की दखल अंदाजी नहीं चलती है। यहां दर्शन करने आने वाले लोगों और पर्यटकों को अलग प्रवेश द्वार से गुरु महाराज के मंदिरों तक ले जाया जाता है। इस आश्रम की निगरानी के लिए हजारों सीसीटीवी कैमरे लगाए हैं। जगह-जगह पर बैरिकेडिंग की गई। उनकी जगहों पर सुरक्षा गार्डों की तैनाती रहती है, जहां परिंदा भी पर नहीं मार सकता है।

अप्रैल 2025 में आए थे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

मध्य प्रदेश में ही लोग इस आश्रम अंजान थे। अप्रैल 2025 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आनंदपुर आश्रम में आए थे। इसी दौरान इस आश्रम की चर्चा राष्ट्रीय स्तर पर शुरू हुई। पीएम मोदी यहां दो घंटे तक रुके थे। साथ ही पूजा अर्चना की थी।

मिठाई में जानबूझकर मिलाई गई थी चूहा मारने की दवा, खाने से तीन लोगों की हुई है मौत

छिंदवाड़ा (नप्र)। जुन्नारदेव में सामने आए चर्चित मिठाई कांड में अब सनसनीखेज खुलासा हुआ है। खाद्य विभाग की पहली जांच रिपोर्ट में पुष्टि हुई है कि लावारिस थैले में रखी मिठाई में अत्यधिक मात्रा में आर्सेनिक (चूहा मार दवा) मिलाया गया था। यह मात्रा सामान्य स्तर से करीब ढाई सौ गुना अधिक पाई गई है। रिपोर्ट के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि यह कोई सामान्य मिलावट या खराब मिठाई का मामला नहीं, बल्कि जानबूझकर जहर मिलाने की साजिश थी।

तीन लोगों की हुई थी मौत- 8 जनवरी को इसी मिठाई को खाने के बाद एक सप्ताह के भीतर तीन लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल बन गया था। अब खाद्य विभाग की रिपोर्ट ने इस मामले को पूरी तरह आपराधिक साजिश की ओर मोड़ दिया है।

न मिठाई खराब थी, न सामान्य मिलावट- खाद्य विभाग की रिपोर्ट में साफ कहा गया है कि मिठाई न तो सड़ी हुई थी और न ही उसमें किसी प्रकार की सामान्य मिलावट पाई गई। जांच में यह भी सामने आया है कि मिठाई की गुणवत्ता सामान्य थी, लेकिन उसमें जानबूझकर जहरीला पदार्थ मिलाया गया था, जिससे उसकी प्रकृति पूरी तरह घातक बन गई। छिंदवाड़ा फूड इंस्पेक्टर गोपेश मिश्रा ने बताया कि मिठाई में तेज असर वाली चूहा मार दवा मिलाई गई थी, जिसमें बड़ी मात्रा में आर्सेनिक पाया गया है। उन्होंने कहा कि यह मात्रा इतनी ज्यादा है कि इसे दुर्घटना या लापरवाही नहीं माना जा सकता।

सिर्फ जान लेने के इरादे से मिलाया गया जहर- खाद्य विभाग की रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि इतनी अधिक मात्रा में आर्सेनिक मिलाया जाना केवल किसी की जान लेने के उद्देश्य से ही संभव है। विशेषज्ञों के अनुसार इतनी मात्रा में जहर शरीर में पहुंचते ही तेजी से असर करता है और बचने की संभावना बेहद कम रह जाती है।

पुलिस को बिसरा रिपोर्ट का इंतजार- पुलिस अब पोस्टमॉर्टम के दौरान सुरक्षित रखे गए बिसरा की रिपोर्ट का इंतजार कर रही है, जो जबलपुर फॉरेंसिक लैब से आनी है। बिसरा रिपोर्ट से यह पूरी तरह स्पष्ट हो पाएगा कि तीनों मौतों का सीधा कारण आर्सेनिक ही था या नहीं। थाना प्रभारी राकेश बघेल ने बताया कि खाद्य विभाग की जांच रिपोर्ट मिल चुकी है, जिसमें मिठाई में अत्यधिक मात्रा में आर्सेनिक पाए जाने की पुष्टि हुई है। इससे यह साफ होता है कि मिठाई में जानबूझकर जहर मिलाया गया था। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं से पूछताछ कर रही है और संदिग्धों की सूची तैयार की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि बिसरा रिपोर्ट आने के बाद यह तय हो जाएगा कि मौतें पूरी तरह जहर से ही हुईं या किसी अन्य कारण की भी भूमिका रही।

जनवरी के आखिरी में तेज सर्दी का एक और दौर

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश में कड़ाके की सर्दी से थोड़ी राहत मिली है। पिछली दो रात में न्यूनतम तापमान 4 डिग्री तक बढ़ गया। वहीं, दिन में धूप निकल रही है, लेकिन जनवरी के आखिरी सप्ताह में तेज सर्दी का एक और दौर आ सकता है। मौसम विभाग के अनुसार, पश्चिमी हिमालय पर एक्टिव सिस्टम जब गुजर जाएंगे, तब ठंड बढ़ेगी। वर्तमान में प्रदेश के ऊपर दो सिस्टम है। वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) और साइक्लोनिक सर्कुलेशन की वजह से कई जिलों में बादल छा रहे हैं। वहीं, 21 जनवरी को स्ट्रॉन्ग वेस्टर्न डिस्टरबेंस उत्तर-पश्चिमी भारत को प्रभावित कर सकता है। इस वजह से 23 जनवरी से जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, राजस्थान और उत्तरप्रदेश में मौसम बिगड़ सकती है। इस सिस्टम का असर एमपी के उत्तरी हिस्से में देखने को मिल सकता है।

ग्वालियर, चंबल, रीवा, सागर संभाग में बादल और बारिश होने के आसार हैं। सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया, अगले 4 दिन तक कोई अलर्ट नहीं है, लेकिन अगला वेस्टर्न डिस्टरबेंस तीव्र हो सकता है। इसलिए बादल-हल्की बारिश की संभावना है। अगले दो-तीन दिन में स्थिति साफ हो जाएगी।

क्या होता है वेस्टर्न डिस्टरबेंस?

मौसम विभाग के अनुसार, वेस्टर्न डिस्टरबेंस पश्चिम से आने वाली हवा और बादलों का एक सिस्टम होता है। इसके एक्टिव होने से पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी, मैदानी क्षेत्रों में बारिश होगी। सिस्टम आगे गुजर जाने के बाद उत्तर से आने वाली हवा ठंडी रहती है।

बीआरटीएस तुड़ाई पर अटका इंदौर, हाईकोर्ट की सख्ती के बावजूद ठेकेदार का इनकार, रैलिंग बेचने की रकम लौटाने को तैयार

इंदौर। इंदौर में बीआरटीएस हटाने का मामला अब प्रशासनिक उदासीनता और ठेकेदार की जिद के चलते गंभीर संकट में फंसता नजर आ रहा है। नगर निगम के जिम्मेदारों ने बीआरटीएस तोड़ने की प्रक्रिया को ऐसा उलझा दिया है कि अब खुद उच्च न्यायालय को बार-बार सख्त टिप्पणी करनी पड़ रही है। इसके बावजूद जमीनी स्तर पर स्थिति जस की तस बनी हुई है और जनता लगातार ट्रैफिक अव्यवस्था से जूझने को मजबूर है। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय ने हाल ही में दो टूक शब्दों में कहा कि यदि यही हाल रहा तो न तो बीआरटीएस टूटेगा और न ही एलिवेटेड कॉरिडोर बनेगा, जबकि आम जनता यूं ही परेशान होती रहेगी। न्यायालय ने इस मामले की अगली सुनवाई 28 जनवरी को तय की है और ठेकेदार को भी कड़ी फटकार लगाई है। इसके बावजूद हालात में कोई ठोस सुधार होता नहीं दिख रहा है। हाईकोर्ट की सुनवाई के बाद जब नगर निगम

आयुक्त ने रात में ठेकेदार को चर्चा के लिए बुलाया, तो ठेकेदार ने साफ शब्दों में बीआरटीएस तोड़ने से इनकार कर दिया। ठेकेदार का कहना था कि यह काम घाटे का सौदा है और वह इसे आगे नहीं कर सकता। हालांकि उसने यह जरूर कहा कि बीआरटीएस की जो रैलिंग उसने निकाली और बेच दी है, जिसका अनुमानित मूल्य करीब 30 से 40 लाख रुपये बताया जा रहा है, उसकी पूरी राशि वह नगर निगम को लौटा देगा। गौरतलब है कि बीआरटीएस हटाने के आदेश को 11 महीने बीत चुके हैं, लेकिन अब तक केवल एक तरफ की रैलिंग ही हटाई जा सकी है, वह भी उच्च न्यायालय के स्पष्ट निर्देश के बाद। शेष कार्य पूरी तरह से अधर में लटका हुआ है। इसी को लेकर न्यायालय ने ठेकेदार दिनेश यादव को तलब किया था, जहां उसने कोर्ट के सामने भी यही बात दोहराई कि वह यह कार्य नहीं कर सकता, क्योंकि इससे उसे आर्थिक नुकसान हो रहा है।

उच्च न्यायालय ने इस दौरान यह भी कहा कि जनता को परेशान करने का कोई अधिकार नहीं है और जब ठेका लिया गया था, तब नुकसान और लाभ के पहलुओं पर क्यों नहीं सोचा गया। न्यायालय ने नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल को निर्देश दिए कि वह ठेकेदार से गंभीरता से चर्चा करें। साथ ही मुख्य सचिव को भी आदेश दिए गए कि लोक निर्माण विभाग और नगरीय विकास विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर एलिवेटेड कॉरिडोर को लेकर जल्द निर्णय लिया जाए। हाईकोर्ट के निर्देशों के बाद आयुक्त क्षितिज सिंघल ने ठेकेदार से चर्चा जरूर की, लेकिन समाधान निकलता नजर नहीं आया। आयुक्त ने इतना ही कहा कि बातचीत अभी जारी है और 28 जनवरी को उच्च न्यायालय को पूरे मामले की वस्तु स्थिति से अवगत कराया जाएगा। नगर निगम सूत्रों के अनुसार अब मामला इस बिंदु पर आ गया है कि अगली सुनवाई में उच्च न्यायालय ही यह तय कर सकता है कि बीआरटीएस तोड़ने का काम वही ठेकेदार करेगा या नगर निगम स्वयं यह कार्य कराएगा, अथवा किसी अन्य ठेकेदार को जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। वहीं एलिवेटेड कॉरिडोर को लेकर भी स्थिति अभी स्पष्ट नहीं है। लोक निर्माण विभाग का कहना है कि वह नई ड्राइंग और डिजाइन तैयार कर रहा है, क्योंकि पुरानी योजना बीआरटीएस के अस्तित्व को ध्यान में रखकर बनाई गई थी। अब जब बीआरटीएस हटाने की प्रक्रिया चल रही है, तो पूरी योजना में संशोधन करना अनिवार्य हो गया है। ऐसे में इंदौर की यातायात व्यवस्था से जुड़ा यह अहम मामला अब पूरी तरह उच्च न्यायालय के अगले फैसले पर टिका हुआ है।

भाजपा विधायक पर महिला ने लगाए सनसनीखेज आरोप, मदद के बहाने भोपाल बुलाकर छेड़छाड़ की कोशिश का दावा, निष्पक्ष जांच की मांग

इंदौर। मध्यप्रदेश की राजनीति में एक बार फिर गंभीर आरोपों ने हलचल मचा दी है। इंदौर जिले के धर्मपुरी क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी के विधायक कालू सिंह ठाकुर पर एक महिला ने बेहद गंभीर और चौंकाने वाले आरोप लगाए हैं। महिला का कहना है कि जब वह अपनी पारिवारिक और आर्थिक परेशानी को लेकर विधायक से मदद मांगने गई थी, तब विधायक ने उसे अपने भोपाल स्थित बंगले पर बुलाया और वहां उसके साथ छेड़छाड़ करने का प्रयास किया। महिला के अनुसार, विधायक के बुलावे पर वह भोपाल पहुंची थी। बंगले में बातचीत के दौरान विधायक ने कथित तौर पर उसके साथ गलत हरकत करने की कोशिश की। महिला का कहना है कि उसने मौके की नजाकत को समझते हुए किसी तरह बहाना बनाया और वहां से निकलकर अपनी जान बचाई। घटना के बाद वह बेहद डरी और सहमी हुई थी।

महिला का आरोप है कि जब उसने इस मामले में आवाज उठाने की कोशिश की, तो उल्टा उसे ही फंसा दिया गया। महिला के मुताबिक विधायक कालू सिंह ठाकुर ने उस पर दो करोड़ रुपये की फिरौती मांगने का आरोप लगवाया। इसके बाद धर्मपुरी पुलिस ने विधायक के मैनेजर की शिकायत पर मामला दर्ज किया। इस प्रकरण में धार जिले की रहने वाली महिला और उत्तर प्रदेश निवासी उसके पति को आरोपी बनाया गया और दोनों को गिरफ्तार भी कर लिया गया। कुछ समय बाद अदालत से जमानत मिलने के बाद महिला सामने आई और उसने पूरी कहानी सार्वजनिक की। महिला ने दावा किया है कि उसके पास विधायक से जुड़ी रिकॉर्डिंग मौजूद है, जिसमें विधायक उसे भोपाल स्थित बंगले पर बुलाने की बात करते हुए सुनाई दे रहे हैं। महिला का कहना है कि यह रिकॉर्डिंग उसके आरोपों का अहम सबूत है। महिला ने अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी कई दर्दनाक बातें साझा की हैं। उसने बताया कि उसकी शादी एक मुस्लिम युवक से हुई थी, जिससे उसका परिवार नाराज था और उसने उससे संबंध तोड़ लिए थे। इसी बीच उसके पति को गंभीर चोट लग गई। आर्थिक स्थिति बेहद खराब होने के कारण जब उसने अपने परिजनों से मदद मांगी, तो किसी ने उसका साथ नहीं दिया। मजबूरी में वह मदद की आस लेकर विधायक कालू सिंह ठाकुर के पास पहुंची, जहां उसके साथ कथित तौर पर गलत व्यवहार किया गया। महिला ने यह भी बताया कि इस पूरे घटनाक्रम के बाद उसकी हालत और बदतर हो गई है। आर्थिक तंगी इस कदर बढ़ गई है कि उसे कई बार रात इंदौर रेलवे स्टेशन पर गुजारनी पड़ी। उसने प्रशासन से अपील की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच कराई जाए, विधायक के खिलाफ मामला दर्ज किया जाए और उसे सुरक्षा प्रदान की जाए। फिलहाल यह मामला सियासी और सामाजिक दोनों ही स्तर पर चर्चा का विषय बन गया है। महिला की मांग है कि सच्चाई सामने लाई जाए और प्रभावशाली लोगों के दबाव से मुक्त होकर कानून के अनुसार कार्रवाई की जाए, ताकि उसे न्याय मिल सके और भविष्य में किसी अन्य महिला के साथ ऐसा न हो।

निर्वाचन प्रक्रिया पर संकट, आउटसोर्स कर्मचारियों की हड़ताल से मतदाता सूची का काम ठप, एसआईआर प्रभावित होने की आशंका

इंदौर। इंदौर जिले में निर्वाचन से जुड़ा महत्वपूर्ण कार्य उस समय संकट में पड़ गया, जब वर्ष 2016-17 से निर्वाचन कार्यालय में आउटसोर्स आधार पर कार्यरत कम्प्यूटर ऑपरेटरों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर सोमवार से पांच दिवसीय सामूहिक कामबंद हड़ताल शुरू कर दी। कर्मचारियों की इस हड़ताल का सीधा असर वर्तमान में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य पर पड़ता नजर आ रहा है, जिससे आगामी चुनावी तैयारियों में बाधा उत्पन्न होने की आशंका जताई जा रही है। आउटसोर्स कम्प्यूटर ऑपरेटरों का कहना है कि वे वर्षों से निर्वाचन कार्यालय में पूरी ईमानदारी और मेहनत के साथ कार्य कर रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद न तो उन्हें समय पर वेतन मिल रहा है और न ही अतिरिक्त कार्य का कोई भुगतान किया जा रहा है। निर्वाचन कार्यालय में डाटा एंट्री, मतदाता सूची से जुड़े तकनीकी कार्य और ऑनलाइन प्रक्रियाओं का अधिकांश बोझ इन्हीं कर्मचारियों पर रहता है। इंदौर जिले में करीब 50 आउटसोर्स कम्प्यूटर ऑपरेटर विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में पदस्थ हैं, जिनके हड़ताल पर चले जाने से कार्यालय का तकनीकी कामकाज लगभग ठप हो गया है। कर्मचारियों का आरोप है कि 28 अक्टूबर के बाद से लगातार शनिवार, रविवार और अन्य अवकाश के दिनों में भी उनसे दिन-रात काम लिया गया। निर्वाचन आयोग के निर्देशों के तहत लगातार अतिरिक्त जिम्मेदारियां निभाने के बावजूद उन्हें न तो ओवरटाइम दिया गया और न ही किसी प्रकार का अतिरिक्त मानदेय मिला। लगातार काम के दबाव और भुगतान न मिलने के कारण कर्मचारी मानसिक तनाव से जूझ रहे हैं और इसका सीधा असर उनके पारिवारिक जीवन पर भी पड़ रहा है।

आउटसोर्स कर्मचारियों की सबसे बड़ी समस्या अप्रैल 2024 से फरवरी 2025 तक का 11 माह का एरियर है, जो अब तक लंबित है। कर्मचारियों का कहना है कि इस एरियर के भुगतान को लेकर हाईकोर्ट द्वारा भी स्पष्ट निर्देश दिए जा चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद न तो आउटसोर्स कंपनी ने राशि का भुगतान किया और न ही निर्वाचन कार्यालय स्तर पर कोई ठोस पहल की गई। इसके अलावा कर्मचारियों को प्रतिमाह वेतन भी तय समय पर नहीं मिल पा रहा है, जिससे उनका आर्थिक संकट लगातार गहराता जा रहा है। हड़ताल पर गए कर्मचारियों ने स्पष्ट किया है कि जब तक उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार नहीं किया जाएगा, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। कर्मचारियों की प्रमुख मांगों में हाईकोर्ट के आदेशानुसार 11 माह के एरियर का तत्काल भुगतान, कार्यालय समय के अतिरिक्त किए गए कार्य का ओवरटाइम भुगतान, हर माह समय पर वेतन, आउटसोर्स फर्म को हटाकर सीधे मानदेय का भुगतान और शैक्षणिक योग्यता, कार्य अनुभव व वरिष्ठता के आधार पर संविदा अथवा नियमितीकरण का लाभ शामिल है। कम्प्यूटर ऑपरेटर अर्पित ने बताया कि यह समस्या केवल इंदौर जिले तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रदेश के कई जिलों में निर्वाचन कार्यालयों में कार्यरत आउटसोर्स कर्मचारी समान वेतन विसंगतियों और भुगतान में देरी से परेशान हैं। कर्मचारियों ने जानकारी दी है कि बुधवार को प्रदेश के विभिन्न जिलों से आउटसोर्स कर्मचारी भोपाल पहुंचकर राज्य निर्वाचन आयोग के अधिकारियों से मुलाकात करेंगे और अपनी मांगों को मजबूती से रखेंगे।

कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन और संबंधित एजेंसियों की होगी। फिलहाल आउटसोर्स कर्मचारियों की हड़ताल के चलते इंदौर में निर्वाचन से जुड़े महत्वपूर्ण कार्यों के प्रभावित होने का खतरा गहराता जा रहा है।

क्षत्रिय सिरवी समाज सुरपाला द्वारा कुलदेवी माँ आईजी का माही बीज पर्व मनाया गया

माही बीज पर ग्राम सुरपाला में माँ आईजी की भव्य रथ (डोला) यात्रा, श्रद्धा व उल्लास के साथ संपन्न माही बीज के पावन अवसर पर ग्राम सुरपाला में सिरवी समाज की कुलदेवी माँ आईजी की भव्य रथ (डोला) यात्रा श्रद्धा, आस्था और उत्साह के वातावरण में निकाली गई। इस धार्मिक आयोजन में समाज के बच्चों, महिलाओं, युवाओं एवं बुजुर्गों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाई और कार्यक्रम को सफल बनाया। कार्यक्रम का शुभारंभ सर्वप्रथम माँ आईजी के बडेर पर विधिवत पूजा-अर्चना से हुआ। इसके पश्चात माताजी की मूर्ति, गादी एवं अखंड ज्योत पर माल्यार्पण कर शाम 5 बजे मंदिर प्रांगण से डोला यात्रा का शुभारंभ किया गया। पारंपरिक ढोल-नगाड़ों एवं साउंड के मधुर स्वर के साथ रथ यात्रा ग्राम के प्रमुख मार्गों से होते हुए निकाली गई। यात्रा के दौरान समाजजनों ने माताजी के जयकारे लगाए, पुष्पवर्षा की तथा नृत्य करते हुए आनंदोल्लास के साथ सहभागिता निभाई। रथ यात्रा का समापन आतिशबाजी के साथ माताजी के मंदिर में हुआ। तत्पश्चात माताजी की महाआरती संपन्न हुई, प्रसाद वितरण किया गया एवं भंडारे का शुभारंभ हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में समाज बंधुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। डोला समिति के प्रमुख श्री दीपक अकलेचा ने कहा कि बीज पर्व हमारी आस्था, एकता एवं सामाजिक परंपराओं का प्रतीक है।

जमी नदी में मछलियां पकड़ रहे हज़ारों लोग, तीन साल बाद दक्षिण कोरिया में शुरू हुआ फेस्टिवल

दक्षिण कोरिया में आइस फेस्टिवल शुरू हुआ है यह वास्तव में मछली पकड़ने का फेस्टिवल है, जो कि दक्षिण कोरिया के गंगवान प्रांत की नदी पर हो रहा है।

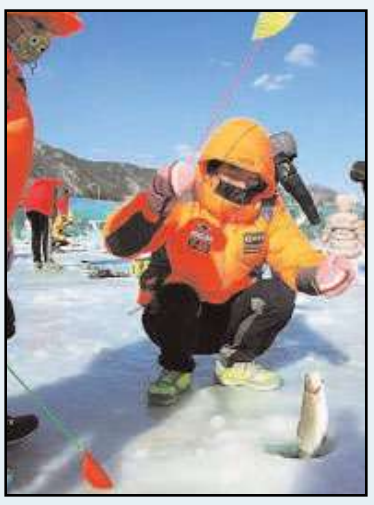

यह नदी भीषण सर्दी से पूरी तरह जम चुकी है। नदी की ऊपरी सतह पर 6 इंच मोटी बर्फ की परत जम गई है। जनवरी में इस इलाके का तापमान माइन 10 डिग्री सेल्सियस तक गिर जाता है। इस फेस्टिवल में हज़ारों लोग हिस्सा ले रहे हैं। इस फेस्टिवल के दौरान लोग नदी पर जमी बर्फ में छेद करते हैं। फिर हाथ या कांटे से मछली पकड़ते हैं।

क्या है दशकों पुराना केसलर सिंड्रोम

स्पेस से क्या है इसका कनेक्शन?

अंतरिक्ष में बढ़ता कचरा किसलर सिंड्रोम पैदा करने के हालात बना रहा है. अंतरिक्ष में बढ़ता कचरा किसलर सिंड्रोम पैदा करने के हालात बना रहा है. स्पेस में कचरे के कारण पैदा होने वाली समस्या का अनुमान दशकों पहले ही लगा लिया गया था. नासा के एक वैज्ञानिक ने इससे पैदा होने वाले एक चरम हालात को एक सिंड्रोम की तरह परिभाषित किया था. वैज्ञानिक मानते हैं कि आज पृथ्वी की निचली कक्षा इस स्थिति के शुरुआती चरण में पहुंच चुकी है.

स्पेस बहुत बड़ा इलाका है और यहां तक कि पृथ्वी की निचली कक्षा भी. हम अब तक हजारों सैटेलाइट स्पेस में भेज चुके हैं और उनमें से बहुत से खराब होकर वहीं रह गए हैं और वे और उनके टुकड़े कचरे के तौर पर वहीं रह कर पृथ्वी का चक्कर लगा रहे हैं. पर क्या यह कचरा दूसरे सैटेलाइट्स के लिए खतरा है? हां बिलकुल पर कितना बड़ा? यह बहस का विषय है. लेकिन उतनी ही चिंता का भी. हमारे वैज्ञानिकों ने दशकों पहले इस खतरे को लेकर चेताना शुरू कर दिया था और यहीं केसलर सिंड्रोम का नाम आता है. आइए जानते हैं कि यह केसलर सिंड्रोम क्या है और इसका इस कचरे से क्या संबंध है?

क्या है केसलर सिंड्रोम

अंतरिक्ष के खतरे को 1970 के दशक से ही पहचान लिया गया था. नासा के वैज्ञानिक डोनाल्ड केसलर ने 1978 में एक काल्पनिक स्थिति का प्रस्ताव दिया था जो भविष्य में कभी ना कभी जरूर आ सकती थी. और अब यह जल्दी ही आ जाएगी ऐसा माना जाने लगा है. इस स्थिति में पृथ्वी की निचली कक्षा में टकराव की घटनाएं शुरू हो जाएंगी जिसमें सैटेलाइट, अंतरिक्ष यान, रॉकेट आदि टकराकर टूटेंगे और ज्यादा कचरा पैदा कर टकरावों की घटनाओं का ऐसा सिलसिला चला देंगें जो कभी खत्म ही नहीं होगा. इसके बाद हालात ऐसे हो जाएंगी कि कक्षा में कचरा इतना भर जाएगा, भावी पीढ़ी के लिए उसका इस्तेमाल संभव ही नहीं रह जाएगा.

क्या होगा इससे

इसका सबसे बड़ा नतीजा यही होगा कि वो सारी तकनीकें जिनका आज हम स्पेस टेक्नोलॉजी के कारण उपयोग कर पा रहे हैं, वे खत्म हो जाएंगी. इनमें जीपीएस, सैटेलाइट कम्यूनिकेशन, मौसम निगरानी, और यहां तक कि अंतरिक्ष अनुसंधान तक पर बहुत बुरा असर पड़ेगा. ये हालात कितने भी काल्पनिक हों, लेकिन इनका खतरा और जोखिम बढ़ रहा है. और अभी तो तेजी से हजारों सैटेलाइट स्पेस में लॉन्च होने वाले हैं. इन्हें रोकना नामुमकिन है. अगर जल्दी ही समाधान नहीं निकला तो पृथ्वी की कक्षा उपयोग के लायक ही नहीं रह जाएगी.

क्यों क्या होगा इस कचरे में?

स्पेस डेबरी या स्पेस जंक में बहुत कुछ आता है. इसमें खत्म हो चुके सारे सैटेलाइट, इंसानों का छोड़ गया कचरा, रॉकेट के वे हिस्से जो पृथ्वी के वायुमंडल में नहीं जा पाए हैं, बेकार हो चुके अंतरिक्ष यान और उन सबके टूट चुके टुकड़े शामिल हैं. यूरोपीय स्पेस एजेंसी के मुताबिक, 1950 से करीब 50 हजार टन का पदार्थ स्पेस में लॉन्च किया जा चुका है और सितंबर 2025 तक 13 हजार टन का सामान कक्षा में ही पड़ा है. अब तक लॉन्च किए गए 19590 सैलेटलाइट में से 13230 अब भी कक्षा में हैं और इनमें से 10200 फिलहाल काम कर रहे है.

एक इंच का कचरा भी तबाही के लिए काफी

परेशानी ये है कि एक इंच का कचरा भी हजारों किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से कक्षा में घूमता है और वह एक स्पेस स्टेशन से टकरा कर उसे पूरी तरह से खत्म करने के लिए काफी होता है. ऐसी घटना से बचने के लिए इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन के कई बार अपनी स्थिति बदलनी पड़ी है. ऐसा लगभग सभी सैटेलाइट करते ही रहते हैं.

साफ कैसे होगा ये कचरा?

साफ है कि केसलर सिंड्रोम के हालात बनने से पहले ही स्थिति से निपटने के तरीके खोजने होंगे और समाधान खोज कर समस्या का हल निकालना होगा. इस कचरे को साफ करने के लिए कई तरह की रिसर्च चल रही हैं. इसके लिए संयुक्त राष्ट्र संघ का सुझाव है कि हर कंपनी को उसके सैटेलाइट के 25 साल पूरे करने के बाद उसके कचरे को खुद ही हटाना होगा. वहीं निजी कंपनियां इसमें व्यवसाय की संभावनाएं देख कई सुझावों के साथ आगे आई हैं. पर सबसे बड़ी चुनौती उपायों को लागू कर उनका नियमन होगा

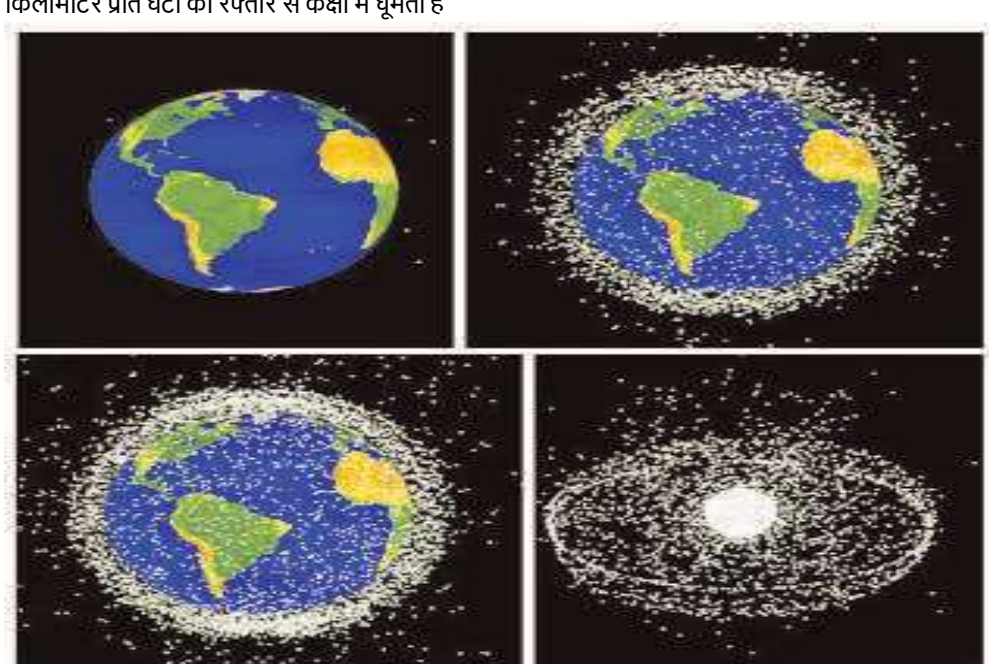

विराट और रोहित शर्मा का हो सकता है 'डिमोशन'!

ए+ कैटेगरी खत्म करने की तैयारी कर रहा बीसीसीआई

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड अपने वार्षिक सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट सिस्टम में बड़े बदलाव की तैयारी में है। न्यूज एजेंसी एएनआई के विश्वसनीय सूत्रों के मुताबिक, मौजूदा कॉन्ट्रैक्ट संरचना में सबसे प्रीमियम ए+ कैटेगरी को स्क्रैप यानी हटाने/बंद करने करने का प्रस्ताव है। यदि ऐसा होता है, तो भारतीय क्रिकेट के दो दिग्गज, विराट कोहली और रोहित शर्मा नए मॉडल में 'ग्रेड बी' में रखे जा सकते हैं। चयन समिति, जिसका नेतृत्व पूर्व क्रिकेटर अजीत अगरकर कर रहे हैं, उन्होंने कॉन्ट्रैक्ट स्ट्रक्चर को सरल और प्रैक्टिकल बनाने की दिशा में बदलाव सुझाए हैं।

ए+ कैटेगरी हटेगी

केवल 3 कैटेगरी होंगी- ए, बी या सी ए+ कैटेगरी में आने वाले खिलाड़ियों की वार्षिक सैलरी अभी सात करोड़ रुपये है। इसे हटाकर संरचना को अधिक परफॉर्मेंस-आधारित बनाने की कोशिश मानी जा रही है। अगली अपेक्स काउंसिल मीटिंग में इस प्रस्ताव पर अंतिम मुहर लग सकती है। कोहली और रोहित सिर्फ वनडे पर फोकस करते हैं। टी20 अंतरराष्ट्रीय से दोनों 2024 में संन्यास ले चुके हैं। टेस्ट से भी दोनों ने पिछले साल संन्यास ले लिया था।

अभी की कॉन्ट्रैक्ट संरचना कैसी है?

ये कॉन्ट्रैक्ट सिर्फ खिलाड़ियों को एक साल का वेतन देने का जरिया नहीं हैं, बल्कि यह बीसीसीआई का एक सुव्यवस्थित मॉडल है जिसके जरिए प्रदर्शन, निरंतरता, क्रिकेट के अलग-अलग प्रारूपों में योगदान और चयनकर्ताओं के मूल्यांकन के आधार पर खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया जाता है। पिछले कुछ वर्षों में बीसीसीआई ने कई चौंकाने वाले फैसले भी लिए, जिसकी कभी सराहना हुई तो कभी आलोचना झेलनी पड़ी। केंद्रीय अनुबंध में जगह बनाने के लिए बीसीसीआई ने पिछले चक्र में कुछ बदलाव भी किए थे। बीसीसीआई ने जब साल 2024-2025 के लिए खिलाड़ियों के वार्षिक अनुबंध की सूची का एलान किया था, तो उस लिस्ट में कुल 34 खिलाड़ी थे। चार खिलाड़ियों को ए+ ग्रेड में रखा गया था। वहीं, छह खिलाड़ियों को ए ग्रेड में रखा गया था। पांच खिलाड़ी बी ग्रेड और 19 खिलाड़ी सी ग्रेड में थे।

तीन मैच बदल देंगे श्रेयस की तकदीर!

टी20 में वापसी तो हुई, पर क्या विश्वकप टीम में जगह बना पाएंगे!

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय वनडे उप-कप्तान श्रेयस अय्यर ने फिर से टी20 टीम में जगह बना ली है। चयनकर्ताओं ने उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ 21, 23 और 25 जनवरी को होने वाले तीन टी20 मैचों के लिए टीम में शामिल किया है। वह तिलक वर्मा की जगह टीम में आए हैं, जो फिलहाल चोट से जूझ रहे हैं। वापसी का यह समय बेहद अहम है, क्योंकि टी20 वर्ल्ड कप में अब एक कुछ ही दिनों का समय बचा है। चोटें और फॉर्म किसी भी बड़े टूर्नामेंट का समीकरण बदल सकती हैं, इसलिए चयनकर्ता अनुभवी विकल्पों को तैयार रख रहे हैं।श्रेयस का यह पहला टी20 कॉल-अप 2023 में ऑस्ट्रेलिया सीरीज के बाद आया है। 2024 वर्ल्ड कप से ठीक पहले उन्हें ड्रॉप किया गया था, जो उनके लिए बड़ा झटका था। इसके बाद उन्होंने आईपीएल में करियर की नई ऊंचाइयाँ छुईं। 2024 में उन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स को चैंपियन बनाया और 2025 में पंजाब किंग्स को फाइनल तक पहुंचाया। व्यक्तिगत तौर पर, आईपीएल 2025 उनका सुनहरा सीजन रहा।

श्रेयस ने 604 रन बनाए और इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 175 और औसत 50.33 का रहा। इस दौरान उन्होंने छह अर्धशतक लगाए। श्रेयस ने 43 चौके और 39 छक्के जड़े। सबसे खास बात यह रही कि धीमी पिचों पर स्पिन पर उनकी पकड़ मजबूत दिखी। कोच राहुल द्रविड़ ने कुछ साल पहले श्रेयस के स्वभाव पर कहा था, 'उनकी सबसे बड़ी खासियत उनका टेम्परामेंट है। दबाव में भी वो खुद को बेहतर तरीके से संभालते हैं।' यह बयान आज भी उनके करियर के साथ फिट बैठता है।

भारतीय टी20 टीम में बढ़ी भीड़: जगह मिलेगी कैसे

2024 वर्ल्ड कप जीतने के बाद भारत की टी20 टीम का स्तर और चयन दोनों बदला है। लगातार सीरीज जीत, नई प्लेइंग कॉम्बिनेशन और प्रदर्शन की निरंतरता ने जगह पाना और मुश्किल बना दिया है। ईशान किशन, रिंकू सिंह, शिवम दूबे और संजू सैमसन जैसे बल्लेबाज जगह के लिए पहले से ही कतार में हैं। ऐसे में अय्यर को सीमित मौकों में तुरंत बड़ा प्रभाव दिखाना होगा।

टीम इंडिया के लिए राहत की खबर

सर्जरी के बाद स्टार बल्लेबाज तिलक ने शुरू की ट्रेनिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। टी20 वर्ल्ड कप 2026 से ठीक पहले टीम इंडिया के लिए अच्छी खबर सामने आई है। स्टार टी20 बल्लेबाज और टीम के डिज़ाइनेटेड नंबर-3 तिलक वर्मा ने सर्जरी के बाद फिजिकल ट्रेनिंग दोबारा शुरू कर दी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, तिलक जल्द ही भारत के लिए मैदान पर वापसी कर सकते हैं और उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के आखिरी दो टी20 मुकाबलों के लिए टीम में शामिल किया गया है। तिलक वर्मा को विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 के दौरान टेस्टिकुलर टॉर्शन की समस्या के चलते सर्जरी करानी पड़ी थी। इसी कारण वह न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20ढ्ढ सीरीज के पहले तीन मुकाबलों से बाहर हो गए थे।अब, टी20 वर्ल्ड कप में दो हफ्ते से थोड़ा ज्यादा समय बाकी है और तिलक ने वापसी की दिशा में बड़ा कदम उठा लिया है।

चौथे T20 में वापसी का लक्ष्य

एक सूत्र के अनुसार, 'अगर सब कुछ ठीक रहा तो तिलक 28 जनवरी को विशाखापट्टनम में होने वाले चौथे टी20 से पहले पूरी तरह फिट हो जाएंगे। उन्होंने फिजिकल ट्रेनिंग शुरू कर दी है और एक-दो दिन में बल्लेबाजी और अन्य स्किल-बेस्ड ट्रेनिंग भी शुरू कर देंगे।' फिलहाल बल्लेबाजी शुरू नहीं, दर्द भी नहीं रिपोर्ट में बताया गया है कि तिलक फिलहाल बल्लेबाजी नहीं कर रहे हैं, लेकिन उन्हें किसी तरह का दर्द महसूस नहीं हो रहा है। वह जल्द ही बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस पहुंचेंगे, जहां फिटनेस टेस्ट के बाद उन्हें रिटर्न टू प्ले की हरी झंडी दी जाएगी। तिलक वर्मा की अनुपस्थिति में श्रेयस अय्यर को टीम में शामिल किया गया।